राजस्व या लोक वित्त

करदान क्षमता
Taxable Capacity

आधुनिक समय में सरकार के सार्वजनिक व्यय में तेजी से वृद्धि हो रही है। जिसे पूरा करने के लिए सरकार को आय के नए स्रोतों की खोज करनी पड़ती है। आज स्रोत एकत्रित करने के लिए सरकार ना केवल पुराने करों की दरों को बढ़ाती है बल्कि नए करों को लगाकर आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं। किंतु जब सरकार करदाताओं पर एक सीमा की बाद कर लगाती हैं, तो करदाताओं के द्वारा करों का विरोध किया जाता है। कराधान की यही सीमा ***करदान क्षमता*** कहलाती है।

अर्थात

करदान क्षमता करारोपण की सीमा है, जिससे अधिक कर लगाने की कार्यक्षमता तथा उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

एक न्यायोचित व्यवस्था के लिए करदान क्षमता को जाना अति आवश्यक है।

परिभाषाएं

सर जोशिया स्टांप के अनुसार, "एक देश की करदान क्षमता वह अधिकतम राशि है जो उस देश के नागरिक वास्तव में बिना दुखी और कष्टपूर्ण जीवन बिताये और आर्थिक संगठन को अधिक अस्त व्यस्त किए बिना सरकार के व्यय हेतु भुगतान कर सकते हैं"।

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

इस प्रकार **करदान क्षमता व उच्चतम सीमा है जिससे अधिकतर किसी भी सरकार को जनता पर नहीं लगाने चाहिए।**

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@dhalinakul*

www.theeconomicsguru.com

प्रो. फ्रेंडली शिराज के अनुसार, "करदानक्षमता निचोड़ की सीमा है। वह न्यूनतम उपभोग के ऊपर, कुल आधिक्य हैं जो उतने ही उत्पादन को प्राप्त करने के लिए चाहिए यदि जीवन स्तर पूर्वत रहे"।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि **करदानक्षमता व अधिकतम धनराशि है, जो कि राज्य अपने निवासियों से बिना उत्पादन अस्त-व्यस्त किए ही करों के रूप में प्राप्त कर सकता है।**

करदान क्षमता की विभिन्न धारणाएं

क्षमता के संबंध में दो प्रकार की धारणाये प्रचलित है-

- निरपेक्ष और सापेक्ष करदानक्षमता
- न्यूनतम, अनुकूलतम एवं अधिकतम करदान क्षमता

निरपेक्ष और सापेक्ष करदानक्षमता

निरपेक्ष करदान क्षमता (Absolute Taxable Capacity) को पूर्ण करदान क्षमता भी कहते हैं।

इसका अर्थ है कि बिना किसी दूसरे समुदाय के तुलना करते हुए एक विशेष समुदाय बिना कष्टदायक प्रभाव का अनुभव करते हुए करों के रूप में कितना भुगतान कर सकता है।

सापेक्षिक करदान क्षमता (Relative Taxable Capacity) का अर्थ है कि दूसरे समुदाय की तुलना में एक समुदाय की करदान क्षमता कितनी है?

यह विचार उन देशों के लिए अधिक महत्वपूर्ण है जहाँ संघीय, सरकारें है और देश के व्यय के लिये विभिन्न प्रांतों को योगदान करना पड़ता है।

सापेक्षिक करदान क्षमता से यह स्पष्ट होता है कि सार्वजनिक व्यय की पूर्ति के लिए दो या दो से अधिक समुदाय से कर किस अनुपात में किए जाए।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

न्यूनतम, अनुकूलतम और अधिकतम कर दान क्षमता

प्रो.जे के मेहता ने अपनी पुस्तक **पब्लिक फाइनैंस** में करदान क्षमता को तीन भागों में बांटा है- न्यूनतम, अधिकतम और अनुकूलता करदान क्षमता।

न्यूनतम करदान क्षमता से करारोपण का उद्देश्य पूरा नहीं होता क्योंकि इससे सरकार को बहुत ही कम आय प्राप्त होती है।

अधिकतम करदान क्षमता का प्रश्न है कि इससे प्रो. मेहता ने निरपेक्ष करदानक्षमता के अर्थ में ग्रहण किया है।

अनुकूलतम करदान क्षमता न्यूनतम करदान क्षमता तथा अधिकतम करदान क्षमता के बीच की स्थिति है जिसमें व्यक्ति को अपना जीवन स्तर ऊँचा करने, आवश्यक बचत करने और विनियोग करने की प्रेरणा देने की दृष्टि से उपभोक्ता उत्पादन के अंतर की राशि में से एक उपयुक्त राशि आर प्राप्तकर्ता के पास छोड़ दी जाती है।

जब हम अनुकूलित करदान क्षमता की बात करते हैं, तो व्यावहारिक रूप से इसे इसका आशय करदान क्षमता की उचित सीमा से होता है।

करदान क्षमता को प्रभावित करने वाले तथ्य

करदान क्षमता की माप करने में कठिनाई होती है। फिर भी एक देश के लिए यह जानना आवश्यक है कि करदान क्षमता पर किन बातों का प्रभाव पड़ता है।

मुख्य रूप से एक देश की करदानक्षमता निम्न तत्वों पर प्रभावित होती है-

1. देश की राष्ट्रीय एवं जनसंख्या का अनुपात
2. देश में आय और संपत्ति के वितरण
3. कर प्रणाली का स्वरूप
4. करारोपण का उद्देश्य
5. करदाताओं की मनोवृत्ति
6. आय की स्थिरता
7. मुद्रा प्रसार

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

8. आर्थिक विकास का स्तर
9. गैर मौद्रिक अर्थव्यवस्था का होना
10. कर प्रशासन एवं सार्वजनिक व्यय के उद्देश्य

करदान क्षमता की माप

करदान क्षमता अथवा करदान सामर्थ्य में राष्ट्रीय आय का महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि करदान क्षमता राष्ट्रीय लाभांश अथवा राष्ट्रीय आय पर निर्भर होती है।

प्रो. मार्शल ने राष्ट्रीय लाभांश की परिभाषा इस प्रकार दी है, **"किसी देश का श्रम और उसकी पूंजी अपने प्राकृतिक साधनों पर क्रियाशील होकर प्रति वर्ष भौतिक व अभौतिक पदार्थों तथा अन्य प्रकार की सेवाओं का एक निश्चित निबल योग उत्पन्न करते हैं। यही देश की निबल वार्षिक आय अथवा राष्ट्रीय लाभांश है"।**

प्रो. फ्रेंडले सिराज ने करदानक्षमता की माप के लिए दो विधियों का उल्लेख किया है-

1. कुल आय विधि
2. कुल व्यय विधि

कुल आय वृद्धि

सभी व्यक्तियों की आय जोड़ दिया जाता है, जिससे राष्ट्रीय आय प्राप्त होती है।

यदि राष्ट्रीय आय बढ़ती है तो करदान क्षमता भी बढ़ती है और यदि राष्ट्रीय घटती है तो करदान क्षमता भी करती है।

THE ECONOMICS GURU

कुल उत्पादन विधि

उत्पादन विधि के अंतर्गत विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होने वाले शुद्ध उत्पादन का मुद्रा में अनुमान लगा लिया जाता है। फिर उन्हें जोड़कर राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है।

इस प्रकार, इस विधि से प्रचलित मूल्यों के आधार पर उत्पादन की गणना करके राष्ट्रीय आय ज्ञात की जाती है।

करदान क्षमता प्रत्येक रूप से किसी उत्पादन की मात्रा पर निर्भर होती है। अर्थात यदि उत्पादन बढ़ता है तो करदान क्षमता भी बढ़ती है और इसके विपरीत अधिक उत्पादन में कमी होती है तो करदान क्षमता भी घट जाती है।

भारत में करदान क्षमता

भारत में राष्ट्रीय आय पर आय का अनुपात लगभग 17 से 18 प्रतिशत तक है।
छोटा अनुपात क्या प्रकट करता है?
क्या करदानक्षमता अपनी शीर्ष सीमा तक पहुँच चुका है या कर आय में अभी और वृद्धि की जा सकती है?
भारत में **अर्थशास्त्री** इस वर्ष पर एकमत नहीं है कि भारत की करदान क्षमता अंतिम सीमा पर पहुंची है या अभी वृद्धि की जा सकती है।
कुछ लोग इसके पक्ष में तर्क देते हैं और कुछ लोग इसके विपक्ष में देते।

भारत में और अधिक कर लगाने के पक्ष में तर्क

- **कोलिन क्लार्क का आधार-** क्लार्क ने स्पष्ट किया है कि करदान क्षमता की सुरक्षित सीमा राष्ट्रीय आय का 25% होती है। किंतु भारत ने यह सीमा इससे कम है तथा करों को अभी बढ़ाया जा सकता है।
- **अन्य देशों की तुलना में करभार कम**
- **आर्थिक विकास के फलस्वरूप प्रदान क्षमता में वृद्धि**
- **धन का असमान वितरण**
- **धनी वर्ग पर कम कर भार**
- **मौद्रिक अर्थव्यवस्था का विकास**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

करदान क्षमता बढ़ाए जाने के विपक्ष में तर्क

- कर प्रणाली एकांगी एवं दोषपूर्ण है।
- कर भुगतान की मनोवृत्ति का अभाव है।
- अधिकांश लोग गरीबी रेखा के नीचे रहते हैं।
- जनसंख्या
- में तीव्र वृद्धि।

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद
नकुल ढाली
The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Facebook- *Nakul Dhali*
Instagram- *@dhalinakul*

www.theeconomicsguru.com